

आया हवा का झोंका लाया शुभ संदेशा लाया बाबोसा भजन



आया हवा का झोंका लाया,
शुभ संदेशा लाया,
मंगल बेला अनुपम अवसर,
अंगना हमारे आया,
बाबोसा के द्वार पे भक्तो,
आनंद मंगल छाया,
मिगसर की पांचम का मेला,
चुरू धाम बुलाया,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोंका लाया।

तर्ज – उड़ जा काले कौवा तेरे।

मिगसर पाँचम चुरू धाम में,
मेला लागे भारी,
दूर दूर से दर्शन करने,
आवे नर और नारी,
स्वर्णिम है इतिहास ये देखो,
दिन ये बड़ा ही प्यारा,
राजतिलक हुआ बाबोसा का,
हर्षित है जग सारा,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोंका लाया।

मन की मुरादे पूरी होती,
आते जो चुरू धाम,
तांती भूति जल से ही,
वहाँ बनते है हर काम,
उत्सव है ये बड़ा सुहाना,
कही भूल न जाना,
चुरू धाम जो आये दिलबर,
हो जाये इनका दीवाना,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोंका लाया।



आया हवा का झोंका लाया,
शुभ संदेशा लाया,
मंगल बेला अनुपम अवसर,
अंगना हमारे आया,
बाबोसा के द्वार पे भक्तो,
आनंद मंगल छाया,
मिगसर की पांचम का मेला,
चुरू धाम बुलाया,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोंका लाया।

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
9907023365
